

हन्ना रौ बिश्वास



Bangani

हन्ना रौ बिश्वास

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/>

You may not use this work for commercial purposes. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

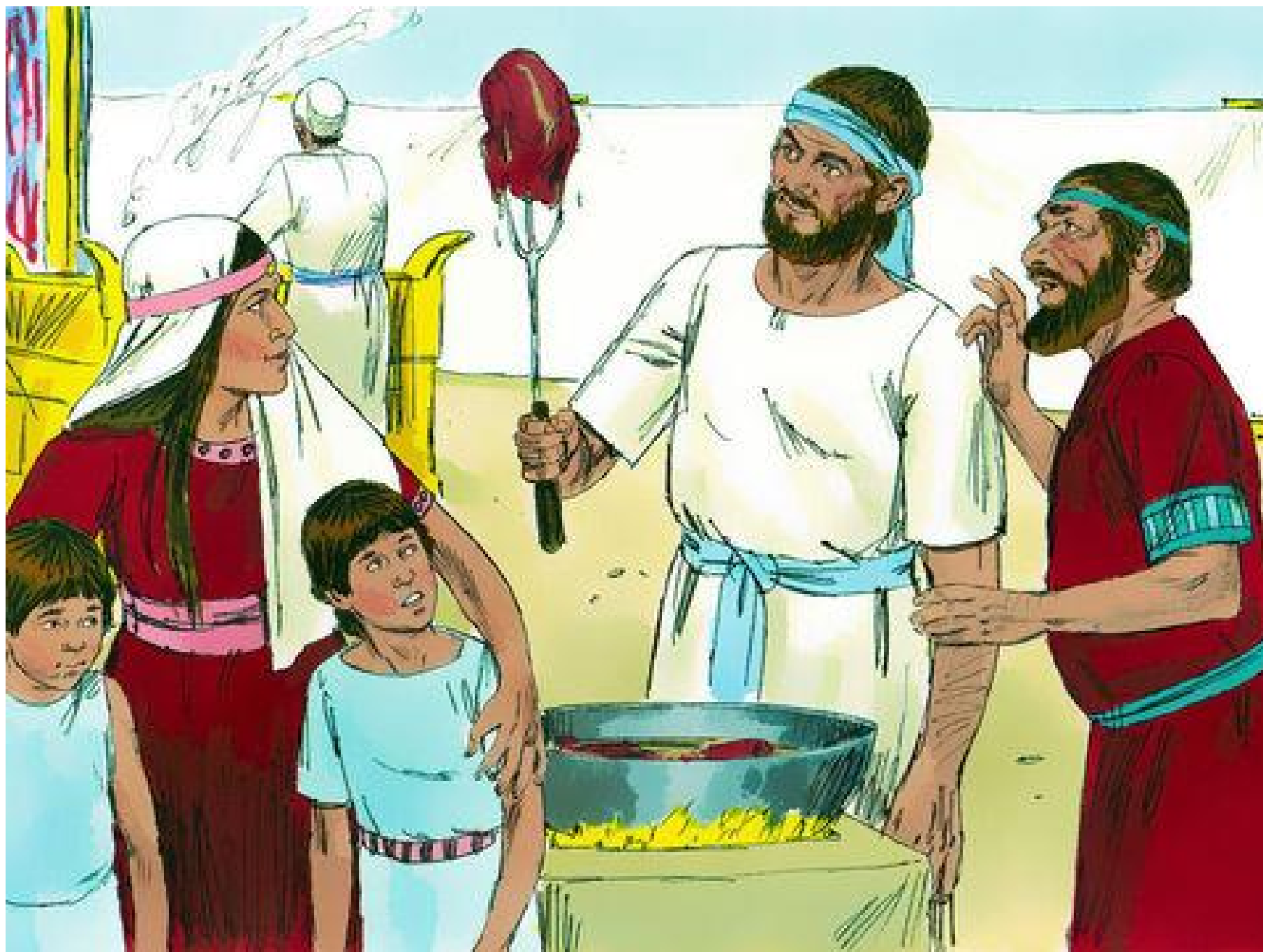
दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें हन्ना के विश्वास के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



रामा गाउँ दि एल्काना नौऊँ रौ एक माणूछ रौऐ थौ।

तेसरी दुइ छेउड़ थी, एक हन्ना औज़ि दुजी
पनिन्ना। पनिन्ना रै तै माऊँ उवै औज़ि हन्ना रै कुछ
बि ना उवै। एल्काना हर साल शीलो दि परमेश्वर रै
बवन दि बेट चौड़ान्दै डै थौ।



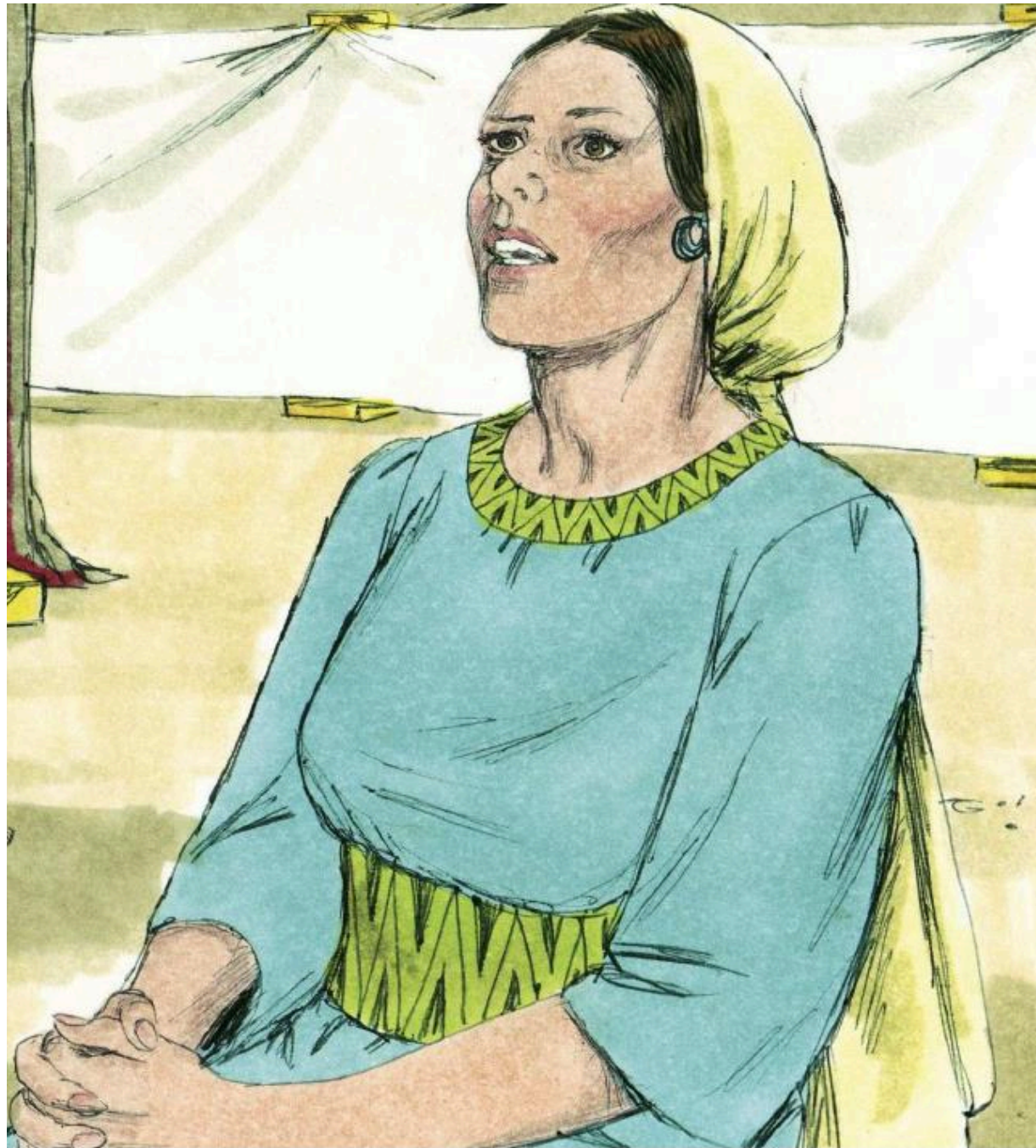
जेत्रा-जेत्रा एल्काना बेट चौड़ा थौ, तेत्रा-तेत्रा सेउ
आपड़ी छेउड़ औज़ि आपडै सारै पेटारौउं कै दाण दै
थौ, पर हन्ना कै सेउ दुगुणौ दाण दै थौ, केलाकि
सेउ तीं कौइ बौरी प्यार कौरै थौ। पर परमेश्वरेइ
तिंरी कुख बन्द थी कौरियौन्दि ।



जेत्रा हन्ना परमेश्वर रै बवन दि डै थी, तेत्रा पनिन्ना
तीं बौरी चिड़ायै थी, केलाकि परमेश्वरेइ तिंरी कुख
बन्द थी कौरियौन्दि, एज़ी बौज़ै कौइ सै लेरै थी
औज़ि खाणौ बि ना खायै थी, पर एल्काना तीं
सौमज़ा थौ कि तू केलाइ लेरै औज़ि तु उदास
केलाइ, का आउँ ताउँकै दश बेटाउँ कौइ बौड़िया
ना नौथि?



तैबै हन्ना बिउँज़ी, औज़ि परमेश्वर रै बवन दि
डेइयौ ज़िउ दि परमेश्वर कौइ प्राथना कौर दि
लागी, सेज़ै बौक्ते दि एलीयाजक परमेश्वर रै बवन
रै दुवारै काई एक खुशी माइं बोशौन्दौ थौ। औज़ि
हन्ना सिन्की सिन्कियौ लेर दि लागी, औज़ि
परमेश्वर कौइ मन्नत माँग दि लागी। ए परमेश्वर
आपड़ी दासी रै दुख देख, औज़ि आपड़ी दासिएइ
ना बिसरै।



आपड़ी दासी कै एक बेटा दै, तै आउँ तेस ज़िन्दगी
बर ताउँइं कै देऊ, जौ हन्ना एज़ी प्राथना रौइ थी
कौर दि लागी, तेत्रा एलीयाजक रौ थौ तीं देखदै
लागी, प्राथना कौरदु बैरै हन्ना रै ओठ रौऐ थै इल्दै
लागी, पर आवाज़ ना रौइ थी आँदि लागी, केलाकि
सै जिउ दि प्राथना रौइ थी कौर दि लागी।



एलीयाजकेइ सौमजौ कि ऐ नौशे दि, एज़ी बौज़ै
कौइ एलीयाजकेइ हन्ना आरि बोलौ कि तु केत्रा
जौउं रौयै नौशे दि। डेइयौ आपडै नौशेइ पोरु
बीज़ार, तैबै हन्नाइ बोलौ, आउं तै दुखी, मुइं
कुछ बि नौशौ ना नौथि कियौन्दौ, मुइं तै आपडै
ज़िये रि बुशै परमेश्वर आरि बोली, मूँ रौदि छेउड़
ना सौमजु।



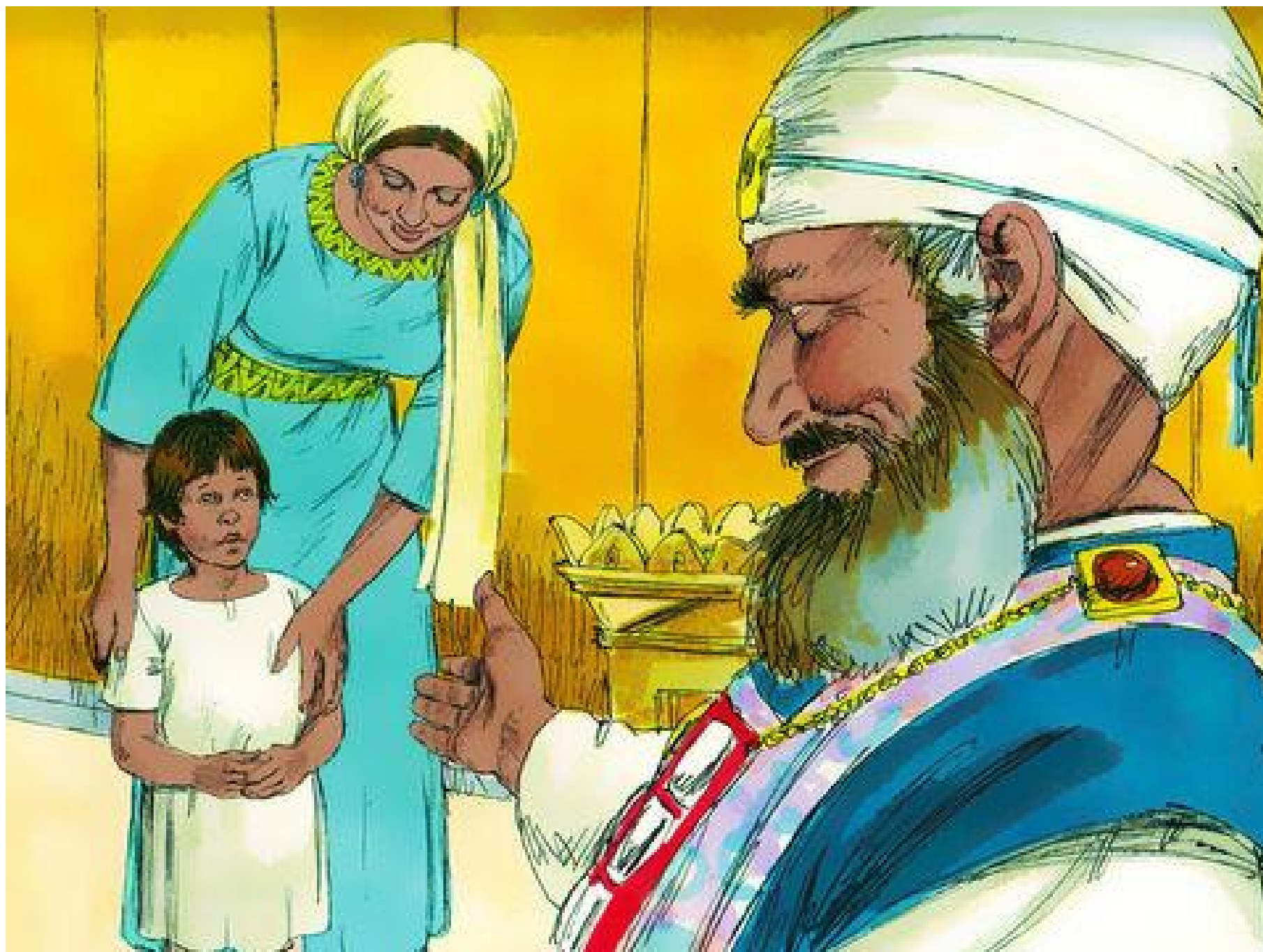
तैबै एलीयाजकेइ बोलौ, तु बौड़िया कौइ डेऊ,
इस्राइल रौ परमेश्वर तेरी ज़िये रि इच्छा पुरी कौरै।
तैबै हन्ना तेत्कै कौइ पोरु डेइ, औज़ि डेइयौ खाणौ
खाओ, तेतबासियै सै केत्राइ बि उदास ना उइ, दुज़ै
दुसै सै सारै राती बिउज़ियौ, परमेश्वर रि महिमा
कौरियौ सै लोग आपडै गौरै डै।



गौर कै डेइयौ हन्ना गौरकेड़ी उइ, तैबै तिंरौ एक
बेटा उवौ, औज़ि तियै तेसरौ नौऊँ शमुएल थौ,
केलाकि सै बोलिदि लागी, मुइं एउ परमेश्वर कौइ
माँगौ, तिणी मुकै देणौ, तैबै एल्काना हर साल बाशी
आपड़ै पुरै पौरिबार रै साथै परमेश्वर कै बेट
चौड़ाणे खि डैऔ।



पर हन्ना आपडै पति एल्काना आरि एशौ बोलियौ
गौरिकै रौइ, जौ माऊं दूद पिणौ पोरु छोड़ै लौ, तैबै
निऊं आऊं एस ज़ेसकौइ सेउ परमेश्वर रै सामणै डै
लौ, औज़ि सेउ सौदाइ तेथिकै रौयै लौ, तैबै
एल्कानाइ बोलौ, जेशौ ताऊं कै बौड़िया लागै तेशौइ
कौर, बस एत्ती औणौ चाइं, कि परमेश्वर आपडै
बचनेइ पुरौ कौरै।



औज़ि ज़ौ हन्नाइ आपड़ौ बेटा कौइ दूद पियाणौ
पोरु छुड़ाओ, तैबै तियै सेउ औज़ि तेसरै साथै चीन
बाश्टू, औज़ि दश किलो पिदियान, औज़ि थोड़ौ
तेल आपडै साथै गिणियौ परमेश्वर रै बवन दि डेइ।
तैबै तेत्कै पौइंचियौ, सेउ माऊँ एलीयाजक काइ
गिणौ, औज़ि तेसकै देणौ, औज़ि तेसारी बोलौ,
आउँ सेज़ी छेउड़ जुण्ज़ी एत्कै खौड़ी उइयौ
परमेश्वर कौइ प्राथना कौरै थी।



एउ सेउइ माऊं, ज़ेस खि मुइं प्राथना की थी, एज़ी
बौज़ै कौइ आउं एस परमेश्वर कै देउ, ताकि एउ
आपड़ै ज़िन्दगी बर परमेश्वर रौइ औयै लौ तैबै
सै परमेश्वर रि महिमा कौरियौ पोरु डेइ औज़ि
सेउ माऊं परमेश्वर रै बवन दि, परमेश्वर रि सेवा
कौरदै लागौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.